

भारत का चाय उद्योग

स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड

जलवायु परिवर्तन के कारण **उत्पादन में गिरावट** के बावजूद **ऊँची कीमतों** के कारण **भारत में चाय उद्योग** को सितम्बर तमिाही के दौरान लाभ में वृद्धि का अनुभव हुआ है।

- शुष्क मौसम और अनियमित वर्षा के कारण **वर्ष 2023 की तुलना में 76.73 मिलियन किलोग्राम** उत्पादन का नुकसान हुआ।
- **भारतीय चाय बोर्ड** की नीतियों, जिनमें **बागानों को समय से पहले बंद करना** और **गुणवत्ता अनुपालन** शामिल है, ने हतिधारकों के हितों को संरक्षित करने और बाज़ार संकेतों को बेहतर बनाने में मदद की, जबकि लागत प्रबंधन और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने **संयुक्त कंपनियों की लाभप्रदता में वृद्धि हुई**।
- भारत **शीर्ष 5 चाय निर्यातकों** में से एक है, जो वैश्विक निर्यात का 10% हिस्सा है। वर्ष 2023-24 में, इसने 250.73 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात किया, जिसमें असम, दार्जिलिंग और नीलगिरी चाय वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध हैं।
- **भारतीय चाय बोर्ड**: इसकी **स्थापना वर्ष 1953 के चाय अधिनियम** के तहत **वाणज्य मंत्रालय** के अधीन केंद्र सरकार के एक वैधानिक निकाय के रूप में की गई थी, इसका **मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल** में है, इसके अलावा **लंदन, दुबई और मॉस्को** में तीन विदेशी कार्यालय भी हैं।
- वर्ष **1881** में स्थापित **भारतीय चाय संघ** ने चेतावनी दी थी कि बढ़ती मज़दूरी और उत्पादन लागत के कारण उत्पादन रुकने से **चौथी तमिाही (अक्टूबर-दिसंबर) का** लाभांश कम हो सकता है।

अधिक पढ़ें: [भारतीय चाय बोर्ड](#)